गल सुन गोकुल दे ओ कान्हा

गल सुन गोकुल दे ओ कान्हा,
वे मैं गुजरी बन के आई होई हां,
मखनां दे शौकीनां वे कान्हा,
वे मैं मटकियां भर भर लयाई होई हां....

मखन दी मटकी फोड़ दयों,
भावें दुध दही सारा रोड़ दयो,
मैं कुछ नहीं कंहदी वे कान्हा,
भावें ऊंगली मेरी मरोड़ दयो,
गल सुन गोकुल दे ओ कान्हा,
वे मैं गुजरी बन के आई होई हां.....

जमुना दे कंडे नित श्यामा,
तु मुरली मधुर वजांदा ऐ,
ग्वाल - बाल संग सखियां दे,
तू रास नित रचांदा ए,
मैं तेरी प्यारी वे कान्हा,
तेरे रंग रंगन नू आई होई हां,
गल सुन गोकुल दे ओ कान्हा,
वे मैं गुजरी बन के आई होई हां.....

राधा वी तेरी प्यारी है,
मीरा वी तेरी प्यारी है,
मैनू होठां दे नाल ला श्यामा,
मैं मुरली बन के आई होई हां,
गल सुन गोकुल दे ओ कान्हा,
वे मैं गुजरी बन के आई होई हां.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28385/title/gal-sun-gokul-de-oh-kanha

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |